राजकीय रज़ा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामपुर (उ0प्र0)

(नैक तृतीय चक्र पूर्ण)

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार के मिशन शक्ति कार्यक्रम (द्वितीय चरण) के अन्तर्गत

मिशन शक्ति
नारी सुरक्षा
नारी सम्मान
नारी स्वावलंबन

विषय: भारतीय साहित्य की दृष्टि में महिला सशक्तिकरण

दिनांक : 25/12/2020

समय : 2:00-3:00 बजे अपराह्न

डॉ0 पी0के0 वार्ष्णेय
प्राचार्य/संरक्षक

डॉ0 राजीव पाल
समन्वयक

कार्यक्रम विवरण

(दिनांक : 25/12/2020 समय : अपराहन 2 बजे से 3 बजे तक)

क0 संख्या	कार्यक्रम विवरण	वक्ता
1	कार्यक्रम परिचय/संचालन	डॉ0 बेबी तबस्सुम
2	आख्या प्रस्तुतिकरण	डॉ0 राजीव पाल
3	शुभारंभ की घोषणा एवं उदबोधन	डॉ0 दीपा अग्रवाल
4	मुख्य वक्ता	डॉ0 रीता चौधरी प्रोफेसर, हिन्दी-विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ
5	धन्यवाद ज्ञापन	डॉ0 वी0 के0 राय

संयोजक:- डॉ0 बेबी तबस्सुम
आयोजक:- डॉ0 राजीव पाल
रिपोर्ट संकलन एवं सम्प्रेषण:- डॉ0 अरुण कुमार

http://meet.google.com/wva.fmuo-pzi

GOVT. RAZA POST GRADUATE COLLEGE, RAMPUR

Re-accredited 'B' by NAAC

Affiliated by M.J.P Rohilkhand University, Bareilly

वेबिनार आख्या

कार्यालय, राजकीय रज़ा स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामपुर,उ0प्र0

दिनाँक**: 25/12/2020**

आज दिनांक 25.12.2020 को अपराह्न 2बजे से 3 बजे तक राजकीय रज़ा स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामपुर में 'मिशन शक्ति ' कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय के प्राचार्य एवं कार्यक्रम के संरक्षक डॉ0 पी0 के0 वार्ष्णेय के निर्देशन में '**भारतीय साहित्य की दृष्टि में महिला सशक्तिकरण**' विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि हम विकसित समाज की संकल्पना को तभी साकार कर सकते हैं जब समाज मे स्त्री- पुरुष के बीच कोई भेदभाव नहीं होगा और दोनों ही समान रूप से सशक्त होकर समाज के विकास की मुख्यधारा में स्वतंत्रता पूर्वक सहयोग कर पाएंगे ।

कर्यक्रम का शुभारंभ करते हुए डॉ0 दीपा अग्रवाल, अध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर अर्थशास्त्र विभाग ने कहा कि साहित्य समाज का दर्पण है। किसी भी देश के साहित्य में तदयुगीन सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं धार्मिक परिस्थितियों का चित्रण होता है। समयानुरूप नारी की स्थिति को भी हम साहित्य में देख सकते हैं।साहित्य ही नारी समस्या को उजागर करता है और उसका समाधान भी प्रस्तुत करता है। मुख्य वक्ता डॉ0 रीता चौधरी , प्रोफेसर , लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ ने कहा कि मिशन शक्ति कार्यक्रम के माध्यम से समानता, स्वतंत्रता एवं अधिकार इन तीन बिंदुओं को दृष्टिगत रखते हुए हमें स्त्रियों को सशक्त करना होगा। 'पढें बेटियाँ बढ़ें बेटियाँ ' आदि नारों को हम देखते एवं सुनते आ रहे हैं । अनेक सरकारी एवं गैर सरकारी स्तर पर महिलाओं को शिक्षित एवं स्वावलंबी बनाने का प्रयास किया जा रहा है । फिर भी लिंगानुपात एवं शिक्षा की दृष्टि से वर्तमान में इनकी स्थिति संतोषजनक नहीं है। सत्तर वर्ष की स्वतंत्रता पूर्ण कर लेने के उपरांत भी आज सरकार को मिशन शक्ति कार्यक्रम चलाने की आवश्यकता पड़ रही है । उन्होंने आदिकाल से लेकर अब तक के कवियों एवं साहित्यकारों द्वारा नारी उत्थान के लिए किए गए प्रयासों को विस्तार पूर्वक बताया । उन्होंने मध्यकालीन कवियों कबीर, तुलसी, मीरा आदि के दृष्टिकोण में नारी के महत्व पर प्रकाश डाला।

आधुनिक काल में भारतेन्दु से लेकर अब तक के कविता , कहानी, नाटक, एकांकी, उपन्यास आदि साहित्यिक विधाओं में चित्रित बाल विवाह, बेमेल विवाह, सती प्रथा, वेश्यावृत्ति, स्त्री शिक्षा, समानता स्वतंत्रता, संघर्ष, आत्मनिर्भरता एवं निडरता तथा उसके कर्तव्य एवम उत्तरदायित्व के बोध को विस्तार से बताया । उन्होंने कहा कि स्त्री की प्रत्येक समस्याओं का समाधान संविधान में सन्निहित है। यदि हम समाज मे परिलक्षित एवं साहित्य में चित्रित नारी समस्याओं का संवैधानिक तरीके से समाधान करें तो सरकार द्वारा चलाया गया यह 'मिशन शक्ति' कार्यक्रम पूर्ण रूप से सफल होगा। इसके लिए शिक्षा में सामाजिक संस्कारों का समाहार अत्यन्त आवश्यक है।इसके लिए यदि सामाजिक और धार्मिक बंधनो एवं विधानों को पुनर्व्याख्यायित करने की आवश्यकता पड़े तो इसमें संकोच नहीं करना चाहिए।

कार्यक्रम का संचालन डॉ0 वेबी तबस्सुम, पूर्व कार्यक्रम के आख्या की प्रस्तुति डॉ0 राजीव पाल, अस्सिस्टेंट प्रोफेसर हिन्दी विभाग एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 वी0 के0 राय असिस्टेंट प्रोफेसर इतिहास विभाग द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

Principal
Govt. Raza P.G. College
Rampur (U.P.)